

# चर्च के लिए एक चेतावनी: आधुनिक सैद्धांतिक मतभेदों में थियातिरा की प्रतिध्वनि

## परिचय

प्रकाशितवाक्य में, यीशु एशिया माइनर की सात कलीसियाओं को संबोधित करते हैं, उनकी प्रशंसा करते हैं, उन्हें फटकारते हैं और पश्चाताप का आह्वान करते हैं। इनमें से, थियातिरा की कलीसिया को दिया गया संदेश (प्रकाशितवाक्य 2:18-29) विशेष रूप से मॉर्मनवाद (मॉर्मन की पुस्तक सहित) और नए नियम के बीच सैद्धांतिक विरोधाभासों के इस संकलन को प्रस्तुत करने के लिए उपयुक्त है। यीशु, स्वयं को □□□□□; परमेश्वर का पुत्र, जिसकी आँखें आग की लपट के समान और पैर उत्तम पीतल के समान हैं □□□□□; बताते हुए, थियातिरा के लोगों के कार्यों, प्रेम, सेवा, विश्वास और धैर्य की प्रशंसा करते हैं, और कहते हैं कि उनके □□□□□; अंतमि कार्य प्रथम कार्यों से अधिक हैं। □□□□□; हालाँकि, वे उन्हें इस बात के लिए कड़ी फटकार लगाते हैं कि उन्होंने □□□□□; उस स्त्री येज़ेबेल को सहन किया, जो स्वयं को भविष्यवक्ता कहती है, और मेरे सेवकों को यौन अनैतिकता करने और मूर्तियों को चढ़ाई गई वस्तुएँ खाने के लिए सिखाती और बहकाती है। □□□□□; यह झूठी भविष्यवक्ता विश्वासियों को सैद्धांतिक और नैतिक समझौते में ले जाती है, और यह इस बात से समानता दर्शाती है कि कैसे मॉर्मनवाद जोसेफ स्मिथ को एक सच्चा भविष्यवक्ता मानता है, जबकि उनकी शिक्षाएँ नए नियम के सिद्धांतों से भिन्न हैं।

यीशु ने थियातिरा और उसके अनुयायियों को चेतावनी दी कि यदि वे पश्चाताप नहीं करेंगे तो उन पर कठोर न्याय होगा। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि □□□□□; मेरे आने तक जो कुछ तुम्हारे पास है उसे थामे रहो □□□□□; और विजय प्राप्त करने वालों को पुरस्कारों का वादा किया, जिनमें राष्ट्रों पर अधिकार और भोर का तारा शामिल हैं। जिस प्रकार थियातिरा को उन झूठे भविष्यवाणियों के प्रभाव को अस्वीकार करने के लिए कहा गया था जिन्होंने मूल सत्यों को भ्रष्ट कर दिया था, उसी प्रकार यह दस्तावेज़ नए नियम की पर्याप्तता से परे अतिरिक्त रहस्योद्घाटनों और भविष्यवक्ताओं को स्वीकार करने से उत्पन्न होने वाले विरोधाभासों की जाँच करता है, और यीशु के इस उपदेश के अनुरूप ऐसी प्रलोभनों से बचने के लिए विवेक का आग्रह करता है: □□□□□; जिसके कान हैं, वह सुने कि आत्मा कलीसियाओं से क्या कहती है। □□□□□;

मॉर्मन दृष्टिकोण संतुलन के लिए जाने जाते हैं, अक्सर इन्हें खोए हुए सत्यों की पुनर्स्थापना के रूप में देखा जाता है, लेकिन मुख्य ध्यान प्रत्यक्ष मतभेदों पर केंद्रित होता है। पुरातात्विक दावों पर संक्षेप में चर्चा की जाती है लेकिन उन्हें कम महत्व दिया जाता है, क्योंकि वे सीधे नए नियम के सैद्धांतिक विरोधाभासों की तुलना में ऐतिहासिक सत्यापन से अधिक संबंधित हैं।

## मॉर्मनवाद/मॉर्मन की पुस्तक के सिद्धांतों और नए नियम के सिद्धांतों के बीच संकलित विरोधाभास

### 1. ईश्वर का स्वरूप (एकेश्वरवाद बनाम अनेक देवताओं की उपस्थिति)

नए नियम का सिद्धांत: नया नियम एकेश्वरवाद की पुष्टि करता है—एक ही ईश्वर। उदाहरण के लिए, 1 तीमुथियुस 2:5 और यूहन्ना 1:1 में, यूनानी पाठ □□□□□; एक ईश्वर □□□□□; पर ज़ोर देता है, जिसमें अनेक देवताओं या ईश्वरत्व की ओर प्रगति की कोई गुंजाइश नहीं है।

मॉर्मन सिद्धांत का विरोधाभास: मॉर्मनवाद कई देवताओं की शिक्षा देता है, जिसमें ईश्वर पिता एक भौतिक शरीर वाले एक उच्च कोटि के पुरुष के रूप में, यीशु उनके शाब्दिक रूप से प्रथम जन्म लेने वाले आत्मिक पुत्र के रूप में (सभी मनुष्यों और यहां तक कि लूसिफर को भी आत्मिक भाई-बहन के रूप में), और वफादार मनुष्यों के देवता बनने (उत्थान) की क्षमता के रूप में माना जाता है।

### 2. उद्धार (केवल विश्वास के माध्यम से अनुग्रह द्वारा बनाम कर्मों के बाद अनुग्रह द्वारा)

नए नियम का सिद्धांत: उद्धार को विश्वास के माध्यम से अनुग्रह के उपहार के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जिसमें मानवीय कार्यों को स्पष्ट रूप से बाहर रखा गया है (इफिसियों 2:8-9, रोमियों 11:6)।

मॉर्मन सिद्धांत का विरोधाभास: मॉर्मनवाद मोक्ष की शिक्षा देता है (सामान्य पुनरुत्थान सार्वभौमिक है, लेकिन उच्चतर राज्यों में उत्थान के लिए विश्वास के साथ-साथ बपतिस्मा, मंदिर अनुष्ठान, दशमांश और कानूनों का पालन जैसे कर्म भी आवश्यक हैं)। मॉर्मन की पुस्तक कहती है कि अनुग्रह □□□□□; हमारे सभी प्रयासों के बाद □□□□□; आता है (2 नेफी 25:23)।

### 3. विवाह और परलोक (पुनरुत्थान में विवाह का अभाव बनाम शाश्वत विवाह)

नए नियम का सिद्धांत: विवाह सांसारिक है और पुनरुत्थान में जारी नहीं रहता (मत्ती 22:30)।

मॉर्मन सिद्धांत में अंतर: मॉर्मनवाद मंदिर में होने वाली मुहरबंदी के माध्यम से शाश्वत विवाह पर जोर देता है, जहां योग्य जोड़े हमेशा के लिए विवाहित रहते हैं।

### 4. पुरोहितीय अधिकार (विश्वासियों का सार्वभौमिक पुरोहितीय अधिकार बनाम विशिष्ट पदानुक्रमित पुरोहितीय अधिकार)

नए नियम का सिद्धांत: सभी विश्वासी एक अलग नियुक्त वर्ग की आवश्यकता के बिना एक शाही पुरोहित वर्ग बनाते हैं (1 पतरस 2:9)।

मॉर्मन सिद्धांत में अंतर: मॉर्मनवाद में एक विशिष्ट हारूनिक और मेल्कीज़ेडेक पुरोहित वर्ग की आवश्यकता होती है, जो केवल योग्य पुरुषों के पास होता है।

### 5. पवित्रशास्त्र की पर्याप्तता और अतिरिक्त सुसमाचारों की आवश्यकता नहीं (पवित्रशास्त्र विश्वासी को पूर्ण बनाता है बनाम अतिरिक्त रहस्योद्घाटनों की आवश्यकता)

नए नियम का सिद्धांत: शास्त्र सिद्धांत और विश्वासियों को सुसज्जित करने के लिए पर्याप्त हैं (2 तिमोथी 3:16-17, गलातियों 1:8)।

मॉर्मन सिद्धांत में अंतर: मॉर्मनवाद एक खुला कैनन मानता है, जिसमें बुक ऑफ मॉर्मन को □□□□□; यीशु मसीह का एक और वसीयतनामा □□□□□; और निरंतर रहस्योद्घाटन के रूप में माना जाता है।

### 6. मसीह में नस्लीय या जातीय भेद (समानता बनाम अभिशाप या प्रतिबंध)

नए नियम का सिद्धांत: मसीह में, जातीय भेद मिट जाते हैं (गलातियों 3:28)।

मॉर्मन सिद्धांत में विरोधाभास: बुक ऑफ मॉर्मन गहरे रंग की त्वचा को एक दैवीय अभिशाप से जोड़ती है, और एलडीएस चर्च ने 1978 तक अफ्रीकी मूल के लोगों के लिए पुरोहित पद पर प्रतिबंध लगा रखा था।

### 7. यीशु का जन्मस्थान (यरूशलेम बनाम बेथलहम)

नए नियम का सिद्धांत: यीशु का जन्म विशेष रूप से बेथलहम में हुआ था (मत्ती 2:1)।

बुक ऑफ मॉर्मन के विपरीत: अल्मा 7:10 में भविष्यवाणी की गई है कि यीशु □□□□□; मरियम से यरूशलेम में पैदा होंगे, जो हमारे पूर्वजों की भूमि है। □□□□□;

### 8. सूली पर चढ़ाए जाने के समय अंधेरे की अवधि (तीन दिन बनाम तीन घंटे)

नए नियम का सिद्धांत: क्रूस पर चढ़ाए जाने के दौरान तीन घंटे तक धरती पर अंधेरा छाया रहा (मत्ती 27:45)।

बुक ऑफ मॉर्मन का विरोधाभास: हेलमन 14:20,27 और 3 नेफी 8:3,23 में तीन दिनों के अंधेरे का वर्णन है।

### 9. उच्च पुरोहिती संरचना (एक साथ कई उच्च पुरोहित बनाम एक समय में एक उच्च पुरोहित)

नए नियम का सिद्धांत: एक समय में केवल एक ही महायाजक सेवा करता था, जिसमें यीशु परम एकमात्र महायाजक था (इब्रानियों 8:6-7, मत्ती 26:3)।

बुक ऑफ मॉर्मन के विपरीत: मोसिया 11:11, अल्मा 13:9-10 और हेलमन 3:25 में एक साथ सेवा कर रहे कई महायाजकों का वर्णन किया गया है।

## **10. नए नियम के उन अंशों का उद्धरण देना जो लिखे जाने से पहले ही उद्धृत किए गए थे (कालानुक्रमिक उद्धरण बनाम ऐतिहासिक क्रम)**

नए नियम का सिद्धांत: नए नियम के ग्रंथ पुनरुत्थान के बाद रचे गए थे (उदाहरण के लिए, 1 कुरिन्थियों 12:4-11)।

बुक ऑफ मॉर्मन में अंतर: मोरोनी 10:8-17 और मोरोनी 7:48 में नए नियम के अंशों को कालक्रमानुसार नहीं दर्शाया गया है।

## **11. प्रभु की प्रार्थना की स्तुति (बाद में जोड़े गए अंशों का समावेश बनाम मूल पांडुलिपियों में उनका अभाव)**

नए नियम का सिद्धांत: सबसे पुराने पांडुलिपियों में प्रभु की प्रार्थना बिना स्तुतिगान के समाप्त होती है (मत्ती 6:13)।

बुक ऑफ मॉर्मन के विपरीत: 3 नेफी 13:13 में पूर्ण केजेवी स्तुतिगान शामिल है।

## **12. नए नियम की टीका को पुराने नियम की भविष्यवाणी से गलत तरीके से जोड़ना (मिश्रित उद्धरण बनाम विशिष्ट स्रोत)**

नए नियम का सिद्धांत: प्रेरितों के कार्य 3:22-26 व्यवस्थाविवरण की व्याख्या करता है लेकिन इसमें कुछ अनूठे तत्व भी जोड़े गए हैं।

बुक ऑफ मॉर्मन के विपरीत: 3 नेफी 20:23-26 पीटर के नए नियम के परिवर्धन को मूल भविष्यवाणी के रूप में प्रस्तुत करता है।

## **13. चर्च या मसीह के शरीर का अस्तित्व (पुनरुत्थान से पहले की स्थापना बनाम पुनरुत्थान के बाद का गठन)**

नए नियम का सिद्धांत: मसीह के शरीर के रूप में चर्च यीशु के पुनरुत्थान के बाद बनता है (इफिसियों 1:22-23)।

मॉर्मन की पुस्तक के विपरीत: मोसिया 18:17 और मोसिया 15:5 यीशु के जन्म से पहले □□□□□; परमेश्वर के चर्च□□□□□; और □□□□□; मसीह के शरीर□□□□□; का उल्लेख करते हैं।

## **14. आत्माओं का पूर्व-मृत्यु अस्तित्व (पूर्व-अस्तित्व का अभाव बनाम स्वर्ग में आत्मा संतान)**

नए नियम का सिद्धांत: नया नियम मृत्यु से पहले के अस्तित्व की शिक्षा नहीं देता (1 कुरिन्थियों 15:46, यूहन्ना 1:3)।

बुक ऑफ मॉर्मन की तुलना: अल्मा 13:3-5 और एलडीएस धर्मशास्त्र पूर्व-मृत्यु आत्मा के अस्तित्व को सिखाते हैं।

## **15. शाश्वत प्रगति और उत्थान (अपरिवर्तनीय ईश्वर बनाम मनुष्य का ईश्वर बनना)**

नए नियम का सिद्धांत: ईश्वर और मसीह अपरिवर्तनीय हैं (इब्रानियों 13:8; रोमियों 8:17 विरासत की बात करता है, देवत्व की नहीं)।

बुक ऑफ मॉर्मन विरोधाभास: 3 नेफी 28:10, डी एंड सी 132:19-20 ईश्वर-समान स्थिति की ओर प्रगति सिखाते हैं।

## **16. मृतकों के लिए बपतिस्मा (व्यक्तिगत बपतिस्मा बनाम प्रतिनिधि बपतिस्मा संबंधी विधियाँ)**

नए नियम का सिद्धांत: बपतिस्मा जीवितों के लिए है; मृत्यु के बाद न्याय होता है (इब्रानियों 9:27)।

बुक ऑफ मॉर्मन के विपरीत: सिद्धांत और अनुबंध 128 मृतकों के लिए प्रतिनिधि बपतिस्मा की अनुमति देता है।

## **17. गुप्त संयोजन और शपथें (शपथ न लेने की शपथें बनाम पवित्र अनुबंध)**

नए नियम का सिद्धांत: शपथ लेना निषिद्ध है (मत्ती 5:34-37)।

बुक ऑफ मॉर्मन के विपरीत: ईथर 8:14-19, हेलमन 6:22-26, और एलडीएस मंदिर समारोहों में पवित्र वाचाएं शामिल हैं।

## 18. अनेक स्वर्ग या महिमा के स्तर (द्विपक्षीय परलोक बनाम तीन राज्य)

नए नियम का सिद्धांत: परलोक द्विआधारी है—शाश्वत जीवन या दंड (मत्ती 25:46)।

बुक ऑफ मॉर्मन कंट्रास्ट: सिद्धांत और अनुबंध 76 महिमा की तीन डिग्री का परिचय देता है।

## 19. पुनरुत्थान के बाद मसीह के सेवकाई कार्यों का स्थान (यहूदिया तक सीमित बनाम अमेरिका की यात्रा)

नए नियम का सिद्धांत: पुनरुत्थान के बाद यीशु के प्रकट होने की संख्या सीमित है (प्रेरितों के काम 1:3)।

बुक ऑफ मॉर्मन के विपरीत: 3 नेफी 11-26 में यीशु के अमेरिका दौरे का वर्णन है।

## 20. बहुविवाह (एकविवाह मानक बनाम सशर्त भत्ता)

नए नियम का सिद्धांत: नेताओं को एकपत्नीत्व का पालन करना चाहिए (1 तिमोथी 3:2)।

मॉर्मन की पुस्तक के विपरीत: याकूब 2:24-27 बहुविवाह की निंदा करता है, लेकिन यदि ईश्वर आज्ञा देता है तो इसकी अनुमति देता है।

## 21. पुरातात्विक और ऐतिहासिक दावे (पुष्टिकृत संदर्भ बनाम अप्रमाणित सभ्यताएँ)

नए नियम का सिद्धांत: नए नियम की परिस्थितियाँ ऐतिहासिक प्रमाणों के अनुरूप हैं।

बुक ऑफ मॉर्मन के विपरीत: इसमें कोलंबस-पूर्व अमेरिकी सभ्यताओं का वर्णन किया गया है जिनके पुरातात्विक प्रमाण मौजूद नहीं हैं।

## मॉर्मन विरोधाभास सारांश

नहीं।	विषय	नए नियम का सिद्धांत	मॉर्मन/मॉर्मन की पुस्तक का सिद्धांत	मुख्य विरोधाभास
1	ईश्वर का स्वरूप	पूर्ण एकेश्वरवाद; एक ईश्वर	अनेक देवता, ईश्वर एक उदात्त पुरुष के रूप में	एकेश्वरवाद बनाम बहुदेववाद
2	मोक्ष	केवल विश्वास के द्वारा अनुग्रह से	कर्मों के बाद अनुग्रह, प्रयासों से उत्थान	विश्वास द्वारा मुक्ति बनाम कर्मों पर आधारित मुक्ति
3	विवाह और मृत्यु के बाद का जीवन	पुनरुत्थान में कोई विवाह नहीं	शाश्वत विवाह और संतानोत्पत्ति	अस्थायी विवाह बनाम शाश्वत विवाह
4	पुरोहिती अधिकार	विश्वासियों का सार्वभौमिक पुरोहित वर्ग	विशेष हारूनिक और मेल्कीज़ेडेक पुरोहित पद	सार्वभौमिक बनाम पदानुक्रमित पुरोहितवाद
5	शास्त्रों की पर्याप्तता	पवित्रशास्त्र विश्वासी को पूर्णता प्रदान करता है।	अतिरिक्त खुलासों की आवश्यकता	बंद कैनन बनाम खुला कैनन
6	नस्लीय/जातीय भेद	मसीह में सभी समान हैं	नस्ल के आधार पर अभिशाप/प्रतिबंध	समानता बनाम भेद
7	यीशु का जन्मस्थान	बेतलेहेम	यरूशलेम (पूर्वजों की भूमि)	विशिष्ट बनाम सामान्य स्थान
8	क्रूस पर चढ़ाए जाने के समय अंधकार	तीन घंटे	तीन दिन	अवधि का अंतर
9	उच्च पुरोहिती संरचना	एक समय में एक ही महायाजक	एक साथ कई उच्च पुरोहित	एकवचन बनाम बहुवचन पुरोहिती
10	कालभ्रमित एनटी उद्धरण	पुनरुत्थान के बाद लिखा गया नया नियम	नए नियम के अंशों का हवाला देने वाले पूर्व-नए नियम के ग्रंथ	ऐतिहासिक क्रम बनाम कालभ्रम

